

## पाठ 12 पाठ

### महाभारतৰ पम खेदि

मोमायेक : मम्पनाईत, तोमालोके ि. त्ति.  
चाम्प आछा नेकि?

भागिनईत : मोमाम्पदेउ, आहक आहक।

मोमायेक : तोमालोके ि. त्ति. केतिया  
ल'ला?

भागिनईत : तिनि बह्रमान हल आरु।  
निजब ि. त्ति.त महाभारत  
धाबार्राहिक चालौ। अरशेय  
लोकब ि. त्ति.त माजे माजे  
बामायण चाम्पछिलौ।  
मोमाम्पदेउ आपुनि ये  
अकले आहिल! लीनाईतक  
नानिले?

मोमायेक : पबहि सिईत त्तिनिहियेकब घर  
पालेगै। अहा पूजाब बन्त  
म्पयलै आहिव। बारु  
कोराचोन, तोमालोके तो  
महाभारत चाम्पछा; म्पयाब  
आम्पतकै डाण्डब

### महाभारत के बारे में बातचीत

मामाजी : प्यारे बच्चो, क्या तुम टी. वी. देख  
रहो?

भांजे : हाँ मामाजी! आइए, आइए।

मामाजी : तुम लोगों ने टी. वी. कब लिया?

भांजे : लगभग तीन साल पहले। अपने  
टी. वी. पर महाभारत धारावाहिक  
देख रहे हैं। रामायण जरूर दूसरों  
के टी. वी. पर देखते थे। मामाजी  
आप अकेले ही आए हैं क्या?  
लीला और मामी को नहीं लाए  
क्या?

मामाजी : वे परसों अपनी दीदी के घर चले  
गये हैं। वे अगली पूजा की छट्टियों  
में यहाँ आएँगे। अच्छा बताओ,  
महाभारत तो तुमने देखा; उसका  
सबसे बड़ा वीर पुरुष कौन है?

বীৰ কোন আছিল?

দীপক : মোৰ মতে কৰ্ণ আছিল  
আম্পতকৈ ডাঙৰ বীৰ। কিন্তু  
অদৃষ্টে তেওঁক নানা ধৰণে  
চলনা কৰিছিল। ফলত কৰ্ণৰ  
পৰাজয় হৈছিল।

মোমায়েক : আৰু অৰ্জুন?

দীপালি : অৰ্জুনৰ নিজৰ সামৰ্থ সীমিত  
আছিল। কৃষ্ণ আছিল অৰ্জুনৰ  
শক্তি। কৃষ্ণ অবিহনে অৰ্জুনে  
একো কৰিব নোৱাৰিছিল।

মোমায়েক : বাঃ, বঢ়িয়া সমালোচনা কৰিছা।

দীপালি : দুৰ্যোধন আছিল খাঁ  
ভিলেপন। তেওঁ পাণ্ডৱক  
হিংসা কৰিছিল। সেন্সে কথা  
লুকাম্প বখা নাছিল। তেওঁ  
শেষ পৰ্যন্ত তেওঁৰ দস্ত ত্যাগ  
কৰা নাছিল।

দীপক : কৌৰৱে আগতে অন্যায়ে  
কৰিছিল সঁচা। কিন্তু অভিমন্যু  
বধৰ পাছত একো অন্যায়ে কৰা  
নাছিল। পাণ্ডৱেহে কৰিছিল।

মোমায়েক : অহা পৰহিৰ পৰা হেনো ি.

দীপক : মুझे लगता है सबसे बड़ा वीर  
कर्ण। किन्तु नियति ने उसके साथ  
खिलवाड़ किया। फलस्वरुप कर्ण  
पराजित हुआ।

मामाजी : और अर्जुन?

दीपाली : अर्जुन की शक्ति सीमित थी। कृष्ण  
ही थे अर्जुन की शक्ति। कृष्ण नहीं  
होते तो अर्जुन कुछ करने में भी  
समर्थ नहीं थे।

मामाजी : वाह! बढ़िया बात कही।

दीपाली : दुर्योधन था पूरा खलनायक।  
उसकी पांडवों के प्रति हिंसा की  
प्रवृत्ति थी। यह बात उसने छिपाई  
भी नहीं। अंत तक उसने अपना  
दंभ नहीं छोड़ा।

दीपक : सच में कौरवों ने पहले अन्याय  
किया था, पर अभिमन्यु वध के  
बाद उन्होंने अन्याय नहीं किया।  
बाद में अन्याय पांडवों ने ही किया  
था।

मामाजी : सुना है -- (अगले) परसों से  
'श्रीकृष्ण' टी. वी. में  
दिखाएँगे।

भि.त 'श्रीकृष्ण'  
देखुराव।

वह भी बड़ा अच्छा धारावाहिक  
होगा। तुम लोग जरूर देखना।

सेम्पखनो बर ভাল  
धाबावाहिक हब। तौमालोके  
मनयोग सहकारे चावा।

दीपाली : क्या यह आप हमसे कह रहे हैं?  
हम जरूर देखेंगे।

दीपालि : आमाक कब लागे ने? आमि  
निश्चय चाम।

(दीपाली की माँ का प्रवेश)

(एनेते दीपालिब माकब  
प्रवेश)

माक : ओ! बड़े भैया आए हैं। मुझे पता  
ही नहीं। दीपाली, तुम लोगों ने भी  
मुझसे नहीं कहा। मामाजी को चाय  
पिलाई या नहीं। आइए भैया, पहले  
हाथ पैर धो लीजिए। बादमें बातें  
होंगी।

माक : अ' ककाम्पदेउ आहिछा!  
मम्प गमेम्प नापाउँ। ऐ दीपालि,  
तहँते किय मोक आगते  
नकलि? मोमायेबक चाह एकाप  
दिलि ने? .....आहा  
ककाम्पदेउ, प्रथमे हात  
भरि धोराहि। पिछत  
कथा पातिम।

मामाजी : ठीक है! चलो। दीपक बेटे, चाय  
के बाद तुम लोगों के साथ फिर  
बातें होंगी।

मोमायेक : ब'ल वारु। दीपक मम्पना, चाह  
पाछत आको कथा पातिम  
देम्प।

शब्दार्थ

असमिया शब्द	हिंदी अर्थ
मम्पनाइँत	प्यारे बच्चो!
निजब	अपना
लोकब	अन्य लोगों का
मोमाम्पदेउ	मामा
पूँजा	पूजा
ओम्पतकै	सबसे
बीब	वीर
अदृष्ट	अदृष्ट
धबणे	प्रकार से
निबन्न	निरस्त्र
फलत	फलस्वरूप
पबाजय	पराजय
अविहने	के अभाव में
बठिया	बढ़िया
समालोचना	समालोचना
खाँि	पूरी तौर पर, शुद्ध
हिंसा	हिंसा
लुकाम्प	छिपा कर
शेष	अंत
दञ्च	दंभ
ताग	त्याग
अन्याय	अन्याय
युद्धत	युद्ध में (बीता हुआ)

पबहि	परसों
मनोयोग	मनोयोग, ध्यान से
सहकारे	के साथ
गम	पता
प्रथमे	पहले
डरि	पैर
हात	हाथ

### अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए शब्दों की सहायता से वाक्य पूरे कीजिए।

उदाहरण : तेउँ नाहिल, कारण \_\_\_\_\_ । (गा बेया)

→ तेउँ नाहिल, कारण तेउँर गा बेया।

1. तौमालोक धाबावाहिक श्रीकृष्ण चावा, कारण \_\_\_\_\_ । (धाबावहिक)
2. तेउँलौके लौकर ि. डि.त बाभायण चास्पहिल, कारण \_\_\_\_\_ । (ि. डि. नाहिल)
3. लौनाहँत बापेकर लगत नाहिल, कारण \_\_\_\_\_ । (डिनिहियेक घर)
4. अर्जुनर शक्ति सीमित आहिल, कारण \_\_\_\_\_ । (श्रीकृष्ण .....शक्तिर मुल)
5. दुर्योधने शेष पर्युत दस्तु त्याग करा नाहिल, कारण \_\_\_\_\_ । (तेउँ .... डिलेस्पन)

II. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण : (क) महाभाबतर डाणुड वीर कर्ण।

→ महाभाबतर डाणुड वीर आहिल कर्ण।

1. महाभारतৰ प्रधान ভিলেঙ্গন দুৰ্যোধন।
2. কৃষ্ণ অবিহনে অৰ্জুন শক্তিহীন।
3. মহাভাৰত ধাৰাবাহিকৰ প্ৰেৰণা ৰামায়ণ।
4. মথুৰা 'শ্ৰীকৃষ্ণৰ' জন্মভূমি।
5. দীপালিহঁতৰ মহাভাৰতৰ সমালোচনা বৰ বঢ়িয়া।

(খ) সেঙ্গন এখন ভাল ধাৰাবাহিক আছিল।

→ সেঙ্গন এখন ভাল ধাৰাবাহিক হব।

1. ৰামায়ণৰ আদৰ্শত বহুতো পৌৰাণিক ধাৰাবাহিক ওলাল।
2. ককাম্পদেউ তুমি কেতিয়া আহিলা?
3. আমি লোকৰ ঘৰত 'ি. ভি. চাম্পছিলোঁ।
4. তম্প মোৰ কাৰণে চাহ আনিলি।
5. 'মহাভাৰত'খন বৰ ভাল ধাৰাবাহিক আছিল।

(গ) কৃষ্ণৰ জন্মস্থান দ্বাৰকা।

→ দ্বাৰকা কৃষ্ণৰ জন্মস্থান।

1. দুৰ্যোধন আছিল প্ৰকৃত ভিলেঙ্গন।
2. কৃষ্ণ অবিহনে একো কৰিব নোৱাৰিছিল অৰ্জুনে।
3. নিজৰ কি আছিল অৰ্জুনৰ?
4. কৰ্ণ আছিল মহাভাৰতৰ আঁস্পতকৈ ডাঙৰ বীৰ।
5. 'ি. ভি. তোমালোকে কেতিয়া ল'লা?

III. वाक्य में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर सही वाक्य बनाइए।

उदाहरण : আমি যোৱা বছৰ 'ি. ভি. ললোঁ। (অহা)

→ আমি অহা বছৰ ফি. ভি. লম।

1. যোৱা মাহত মোমাষ্পদেউ আহিছিল। (অহা)
2. যোৱা কালি তিনিহিয়েৰ ঘৰলৈ গ'ল। (পৰহি)
3. পৰহিৰ পৰা 'শ্ৰীকৃষ্ণ' দিব। (যোৱাকালি)
4. প্ৰথমৰ পৰা দুৰ্যোধনে দস্ত ত্যাগ কৰা নাছিল। (শেষ)
5. মোমাষ্পদেউ, আপুনি 'মহাভাৰত' চালে? (লীনাহঁত)

IV. কোষ্টক মেন্ দিএ গএ শব্দোঁ মেন্ সে সহী শব্দ চুনকর वाक्य पूरे कीजिए।

( गम, बट्टिया, लोक, आँषपतके, देष, चान, नेकि)

1. कर्ण आছিল \_\_\_\_\_ डाङ्गु वीर।
2. एष कथा व मष \_\_\_\_\_ नापाँ।
3. अरुषे \_\_\_\_\_ फि. वि. त माजे माजे रामायण चाम्पछिलौ।
4. दीपालिहँत व समालोचना व \_\_\_\_\_।
5. ककाम्पदेउ आहा, त व हात \_\_\_\_\_।
6. पिछत तामालोक व लगत कथा पातिम \_\_\_\_\_।

V. उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।

उदाहरण : चालौ निज व धावावहिक फि. वि. त रामायण

→ निज व फि. वि. त धावावहिक रामायण चालौ।

1. सिहँत वायेक व पालेगे व प व प व
2. कृष्ण व व व व व व व व
3. अतिमनु व व व व व व व व
4. दिवा व व व व व व व व

## VI. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए प्रत्येक वाक्य से जितने हो सकें उतने प्रश्नवाची वाक्य बनाइए।

उदाहरण : मम्प सदाय बातिपुरा छय बजात शुम्प उठौं।

- > मम्प केम्पबजात शुम्प उठौं?
- > छय बजात कोन शुम्प उठौं?
- > मम्प छय बजात कि कर्बौं?

1. सि सदाय फुबल खेलि ভাল पाय।
2. मादक द्रव्य स्वास्थ्यर बावे झतिकर।

पढ़िए और समझिए।

### प्रकृत योर्

एसमयत एज्जन् सन्यासीये एखन अरगत्यत तपस्या करि आछिल। एदिन हठां काउबीर मुखर परा एा निगनि पोरालि तेउंर हातत परिल। तेउं निगनि पोरालिटोक घरलै निले। म्घैणीयेकर अनुबोधत तेउं निगनिटोक एज्जनी दिपलिप छोरालीत परिगत करिले। छोरालीजनीर नाम बाखिले मुषिका।

मुषिका लाहे लाहे गाभरु हल। माके दबा विचारिले। बापेकको तागिदा दिले। सन्यासीये प्रथमते दबा हिचापे सूर्यक मातिले। दबाम्प कम्पना चाले। दबाम्प छोराली पचन्द करिले। किन्तु नकरिले मुषिकाम्प। ताम्प कले, ‘एउं वर उज्जल। एउंतकै ভাল आरु डाण्डर कोनो नाम्प ने?’ सन्यासीये एम्पवार मेघक माति आनिले। मुषिकाम्प कले, ‘एउं ठिकेम्प आछिल। पिछे वर क’ला। एउंतकै ভাল आरु बलवान कोनो नाम्प ने?’ सन्यासीये एम्पवार धुमुहाक आनिले। मुषिकाम्प देउताकक कले, ‘देउता, तूमि केनेकुरा दबा आनिला? एउं वर चण्डल। एउंतकै धीर स्थिर कोनो नाम्प ने?’ एम्पवार सन्यासीये पर्वतक आनिले। मुषिकाम्प कले, ‘देउता वेया नापावा। एम्पज्जन दबाओ मोर पचन्द नह’ल। एउंतकै डाण्डर आरु कोनो नाम्प ने?’ सन्यासीर खं उठिल। म्घैणीयेके गिबियेकक कले, ‘आरु एवार चेष्टा करक।



এম্পটোৱে আমাৰ শেষ চেষ্টা হব।’ সন্যাসীয়ে খঙতে ঐ নিগনি পোৱালি ধৰি আনিলে। তেওঁ জীয়েকক কলে, ‘শেষ বাৰৰ বাবে এম্পজন দৰা আনিলোঁ। মম্প আৰু নোৱাৰিম। তম্প মনটোক সুখি চা।’

দৰাম্প কম্পনা চালে। ছোৱালীয়ে দৰা দেখিলে। এম্পবাৰ মৃষিকাৰ আনন্দম্প পাৰ নধৰা হ’ল। তাম্প উলাহতে এপাক নাচিলে। বাপেকক কলে, -- ‘এম্পজন মোৰ কাৰণে উপযুক্ত দৰা হব। এওঁৰ লগতে মম্প বিয়া হম। তোমালোকে ততালিকে বিয়াৰ দিহা কৰা।’ সন্যাসীৰ হিয়ামন জুৰ পৰিল। তেওঁ সকলো কথা বুজিলে। তেওঁ মৃষিকাক মন্ত্ৰৰ বলত পুনৰ ঐ নিগনি পোৱালিত পৰিণত কৰিলে।

## নযে শাব্দ

অসমিয়া শাব্দ	হিন্দী অৰ্থ
এসময়ত	এক সময়
সন্যাসী	সন্যাসী
অৰণ্য	অৰণ্য, জংল
তপস্যা	তপস্যা
কাউৰী	কাঁআ
নিগনি	চূহা
পোৱালি	বচ্চা
দিপলিপ	বহুত সুন্দৰ
অনুবোধ	অনুবোধ
মন্ত্ৰ	মন্ত্ৰ
গাভৰু	(জবান) লড়কী
দৰা	বৰ
কম্পনা	বধূ
কন্যা	কন্যা

উজ্বল	उज्ज्वल
মেঘ	মেঘ
বলবান	बलवान
বেনেকুৱা	कैसे
খং	गुस्सा, क्रोध
উঠিল	उठ गया
চেষ্টা	कोशिश
মন	मन
উলাহ	उल्लास
উপযুক্ত	उपयुक्त
বিয়া	शादी
হম	हूँगी
দিহা	सलाह
হিয়া	हिया, हृदय
জুৰ	ठंडक
পৰিণত	परिणत

### अभ्यास

#### I. एक वाक्य में उत्तर दीजिए ।

1. সন্যাসীয়ে মুষিকাক ক'ত পালে?
2. সন্যাসীয়ে প্রথমতে দৰা হিচাপে কাক আনিলে?
3. মেঘক কিয় ছোৱালীজনীয়ে অপচন্দ কৰিলে?
4. সন্যাসীৰ মতে মেঘতকৈ কোনজন দৰা ভাল?
5. সন্যাসীয়ে শেষবাৰৰ বাবে দৰা হিচাপে কাক আনিলে?
6. নিগনিক দেখি ছোৱালীজনীয়ে কি কলে?

II. प्रश्न क्रम 1 में दिए गए वाक्यों में आए नये शब्दों पर घेरा लगाइए।

III. दोनों स्तम्भों में दिए गए शब्दों के सही जोड़े बनाइए।

दबा	खिब
धीब	कम्पना
हिया	घैणीयेक
लाहे	मन
गिबियेक	धीरे

IV. हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

জিম কৰবো এজন বিখ্যাত চিকাৰী আছিল। তেখেতে কুমায়ুন ৰেঞ্জত কেম্পবোৱাও নৰখাদক বাঘ বধ কৰিছিল। তেখেতে নিজৰ চিকাৰ কাহিনীৰ ওপৰত কেম্পবাখনো কিতাপ লিখিছিল। জিম কৰবো ৰাষ্ট্ৰীয় উদ্যান তেখেতৰ নামেৰে নামাকৰণ কৰা হৈছিল। আমি কালি তাইলৈ গৈছিলোঁ।

V. असमिया में अनुवाद कीजिए :

कल मैं कामाख्या मंदिर गया था। मेरा दोस्त हरि भी मेरे साथ गया था। हमलोगों ने मंदिर में पूजा की और प्रसाद चढ़ाया। उसके बाद हमलोग नीचे उतर आए। आते समय थोड़ी बारिश भी हुई। हमलोग भीग गए। शाम को हमलोग घर पहुँचे। माताजी ने पूछा -- 'इतनी देर क्यों हुई?' हमने उन्हें पूरा हाल बता दिया। उनका गुस्सा शांत हो गया।

VI. 'रामायण' सीरियल के बारे में असमिया में एक अनुच्छेद लिखिए।

### टिप्पणियाँ

1. १ से १२ तक पाठों में आए भूत और भविष्य काल के वाक्यों से विद्यार्थियों को परिचित कराया गया है। इस संदर्भ में विद्यार्थियों की सुविधा के लिए एक सारणी नीचे दी जा रही है।

सर्वनाम	सामान्य भूत	पूर्ण भूत	अपूर्ण भूत	भविष्य	अपूर्ण भविष्य
ম্প	আহিলোঁ	আহিছিলোঁ	আহি আছিলোঁ	আহিম	আহি থাকিম

তম্প	খালি	খাম্পছিলি	খাম্প আছিলি	খাবি	খাম্প থাকিবি
তুমি	চালা	চাম্পছিলি	চাম্প আছিলি	চাবা	চাম্প থাকিবা
সি	পালে	পাম্পছিলি	পাম্প আছিলি	পাবা	পাম্প থাকিবা
আপুনি	দিলে	দিছিল	দি আছিল	দিব	দি থাকিব

3. असमिया में बहुवचन बनाने के लिए तीन प्रकार की विभक्तियाँ लगती हैं। जैसे 'तुमि', 'तेओं', 'आपुनि' के साथ '-लोक', तुच्छार्थ बोधक विशेष्य पदों के साथ '-बोर' और 'तइ', 'सि', 'एइ', 'ताइ' सर्वनाम और संबंधवाचक विशेष्य पदों के साथ '-हँत' का प्रयोग किया जाता है। जैसे --

एकवचन	बहुवचन
तुमि	तोमालोक
आपुनि	आपोनालोक
तेओं	तेओंलोक
तइ	तहँत
सि	सिहँत
एइ	एइहँत
ताइ	ताइहँत / सिहँत *
लोरा	लोराबोर
किताप	कितापबोर
घर	घरबोर

\* कभी कभी 'लड़की' या 'स्त्री' का बहुवचन रूप बनाने के लिए 'सिहँत' का प्रयोग होता है।